

छत्तीसगढ़ के बस्तर में मली माओवादियों की सुरंग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में माओवाद प्रभावित बीजापुर में एक ऑपरेशन से लौट रहे सैनिकों को नक्सलियों द्वारा खोदी गई 130 फीट लंबी सुरंग का पता चला है।

मुख्य बंदि:

- लगभग दो दशक पहले उग्रवाद शुरू होने के बाद से यह बस्तर में इस तरह की पहली खोज है और इसने उग्रवाद वरिधी अभियानों में जटिलता की एक परत जोड़ दी है।
- ज़िला रज़िर्व गार्ड के जवानों को रायपुर से लगभग 330 कर्मी. दक्षिण में इंदरावती के तट पर ताड़ोपोट गाँव के पास सुरंग मली।
- ऐसी सुरंग की खोज से संकेत मलता है का माओवादी सुरक्षा अभियानों और हवाई नगरानी को तेज़ करने से नपिटने के लयि रणनीति बदल रहे हैं।

भारत में वामपंथी उग्रवाद

- वामपंथी उग्रवादियों को वशिव के अन्य देशों में माओवादियों के रूप में और भारत में नक्सलियों के रूप में जाना जाता है।
- नक्सलवाद शब्द का नाम पश्चिमि बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी से लयिा गया है। इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खलिाफ वदिरोह के रूप में हुई, जनिहोंने भूमि विवाद पर एक कसिान की पटिाई की थी।
 - वदिरोह की शुरुआत वर्ष 1967 में कानू सान्याल और जगन संथाल के नेतृत्व में मेहनतकश कसिानों को भूमि के उचति पुनर्वतिरण के उददेश्य से की गई थी।
- यह आंदोलन छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम वकिसति पूर्वी भारत के राज्यों में फैल गया है।
- यह माना जाता है कनिक्सली माओवादी राजनीतिक भावनाओं और वचिारधारा का समर्थन करते हैं।
 - माओवाद, साम्यवाद का एक रूप है जो माओत्सेतुंग द्वारा वकिसति कयिा गया है। इस सदिधांत के समर्थक सशस्त्र वदिरोह, जनसमूह और रणनीतिक गठजोड़ के संयोजन से राज्य की सत्ता पर कब्ज़ा करने में वशिवास रखते हैं।